

अ न्यू होम फ़ॉर अजीरी

सुजाता पद्मनाभन

यह किस बारे में है?

अ न्यू होम फ़ॉर अजीरी की कहानी कच्छ से है और 8 से 10 साल के बच्चों के लिए एक मनोरंजक कहानी है। अजीरी एक हिरण का छौना (बच्चा) है जो कुत्तों के झुण्ड द्वारा घायल कर दिया जाता है और अपनी माँ से बिछड़ जाता है। तब उसे वापिस तन्दुरुस्त बनाने का काम शिवम् नाम का एक छोटा लड़का और उसके पिता मिलकर करते हैं। शिवम् के पिता जानते हैं कि घायल जानवरों का इलाज कैसे करना है। बाद में उसकी देखभाल एक छोटी लड़की मिट्ठी और उसके पशुपालक परिवार के द्वारा की जाती है। कहानी का अन्त — अजीरी और उसकी माँ के मिलन के कुछ नाटकीय दृश्यों और अजीरी द्वारा चिंकारा के झुण्ड पर गोली चलाने वाले शिकारी पर प्रतिक्रिया के साथ होता है।

दो मूल्य — **देखभाल** और **विश्वास** — इस कहानी की बुनियाद हैं।

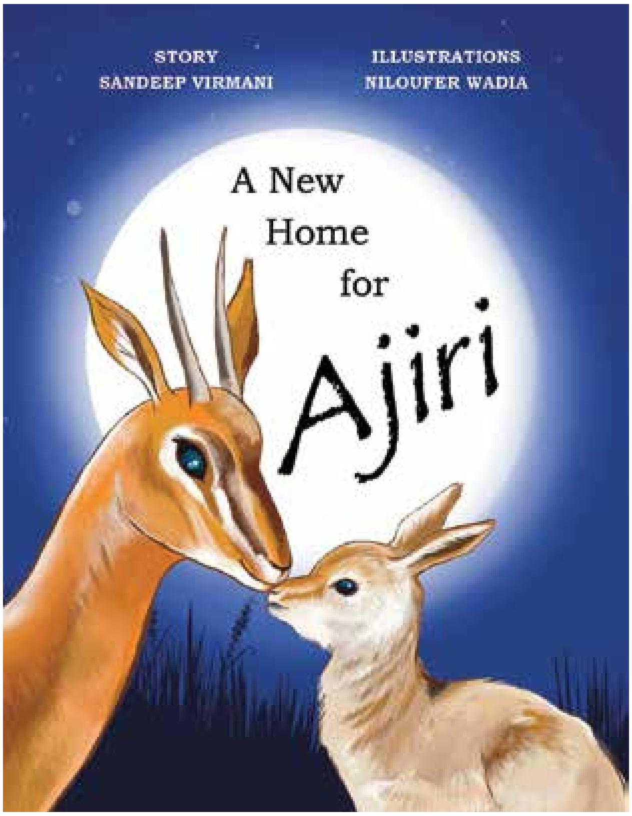
इस कहानी के सभी मानव पात्र (बेशक शिकारी को छोड़कर) अपनी कई हरक़तों और निर्णयों से अजीरी के प्रति स्नेह का प्रदर्शन करते हैं। और इसके चलते अजीरी मनुष्यों पर विश्वास करने लगती है... और इस हद तक (या इतना विश्वास) कि वह शिकारी के प्रति उसकी प्रतिक्रिया को दिशा देता है।

बच्चों के साथ चर्चा करें

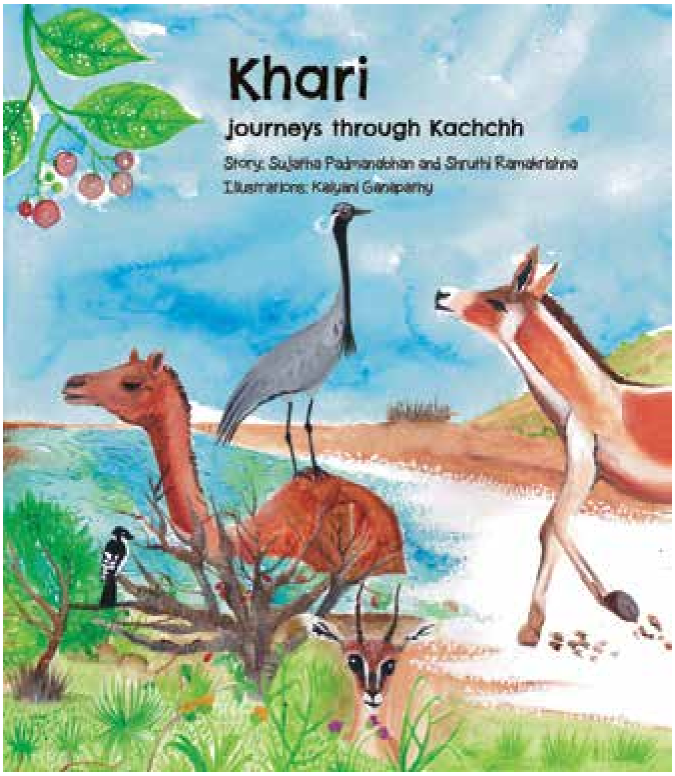
दोनों ही मूल्य बच्चों के साथ अच्छी चर्चा का विषय और विचार के बिन्दु हो सकते हैं।

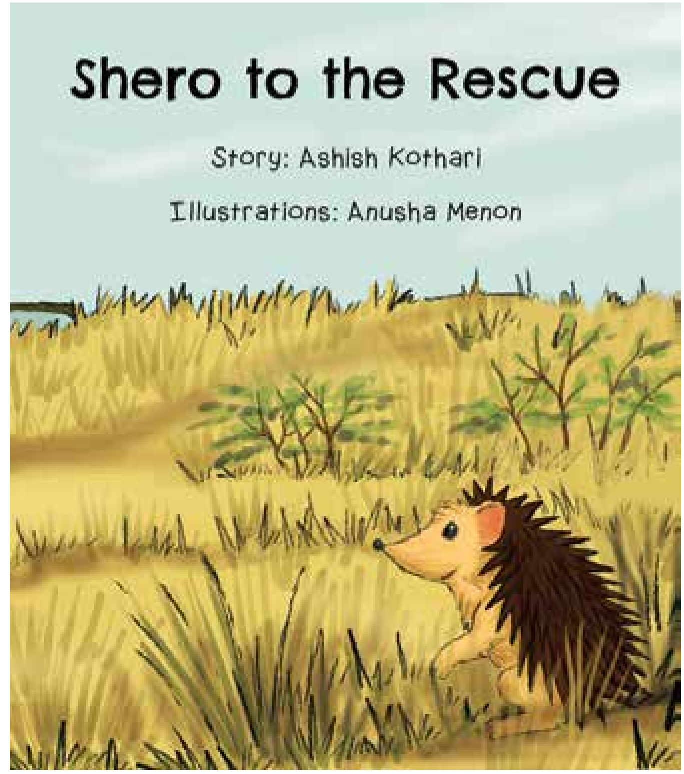
यहाँ देखभाल से जुड़े कुछ चर्चा के बिन्दु दिए हैं :

- उन्हें कब ऐसा लगा है कि उनके घर वाले या दोस्त उनकी देखभाल करते हैं? जब उनके परिवार के लोग या दोस्त उनकी देखभाल करते हैं तो कैसा लगता है?



- उन्होंने कब किसी की देखभाल की? ऐसी स्थिति में उन्हें कैसा लगता है?
- क्या उनके पास कोई पालतू जानवर है? वे उसकी देखभाल कैसे करते हैं?
- जंगली जानवरों की देखभाल के कौन-से अलग-अलग तरीक़े हैं?
- पेड़-पौधों के बारे में क्या लगता है? क्या पेड़-पौधों की देखभाल करना जंगली जानवरों की देखभाल करने से अलग होता है? क्या अलग-अलग जीवों की देखभाल करने के तरीक़े और स्तर अलग-अलग हैं?





विश्वास मूल्य के लिए चर्चा के कुछ बिन्दु —

- क्या वे ऐसे उदाहरण (मौक़े) बता सकते हैं जब उन्हें महसूस हुआ कि उनके आस-पास के बड़े लोग उन पर भरोसा करते हैं? जब उन पर भरोसा किया गया तो कैसा लगता है? क्या उन्हें अपने दोस्तों पर भरोसा है? वे इसे कैसे जताते हैं?
- क्या उन्होंने जानवरों का भरोसा महसूस किया है? ये पालतू जानवर थे या जंगली? इस भरोसे से उन्हें कैसा महसूस हुआ?

यह कहानी कच्छ और वहाँ के वन्यजीवों की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत करती है। इसके साथ-ही-साथ यह वहाँ रहने वाले घुमन्तू पशुपालकों और उनकी सादी जीवनशैली की भी कुछ झलक प्रस्तुत करती है। क़िताब के अन्त में वन्यजीवों से सम्बन्धित कानून के तहत आने वाले नियमों/ प्रावधानों पर प्रकाशकों का एक नोट है। इस नोट का उपयोग बच्चे यह सोचने के लिए कर सकते हैं कि अगर उन्हें कोई जंगली जानवर घायल मिलता है तो उन्हें क्या करना चाहिए।

अभी और है —

पहली कहानी की किताब का शीर्षक है **खारी जर्नीस थ्रू कच्छ**। यह कहानी खारी नामक डेमोइसेल सारस (कुरजा) की यात्रा के माध्यम से बच्चों को कच्छ के विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों से अवगत कराती है। यह खारी की पहली प्रवासी यात्रा है। दूसरी कहानी की किताब है *शेरो टू दी रेस्क्यू*। यह कहानी बच्चों को इन पारिस्थितिकी तंत्र में रहने कई जंगली जानवरों से परिचित कराती है जिसमें नायक एक शेरो नाम की साही है। ये दोनों क़िताबें पहले गुजराती में प्रकाशित हुई थीं।

तीनों किताबें एक एनजीओ (NGO) द्वारा एक बड़े कार्यक्रम के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए स्थानीय पर्यावरणीय शैक्षिक सामग्री तैयार करने के लिए लिखी गई हैं। हमें उम्मीद है कि ये तीनों किताबें न सिर्फ़ स्थानीय स्तर पर बल्कि भारत के अन्य हिस्सों में बच्चों के लिए चल रहे रीडिंग कार्यक्रमों में नए आयाम जोड़ेंगी।

कैसे ऑर्डर करें

किताब को मँगवाने के लिए हमारे स्टोर kalpavriksh.org पर जाएँ या kvbooks@gmail.com पर लिखें।

नोट : तीनों किताबें अँग्रेज़ी में हैं।

सुजाता पद्मनाभन कल्पवृक्ष की सदस्य हैं और वन्यजीव, प्रकृति तथा पर्यावरण पर आधारित बाल साहित्य का प्रकाशन सम्भालती हैं। उन्होंने बच्चों के लिए कई क़िताबें लिखी हैं और स्कूलों के लिए शैक्षणिक सामग्री भी विकसित की है। उनसे sujikahalwa@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : ख़ुशबू द्विवेदी **पुनरीक्षण :** सुशील जोशी **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय